

Date: 24th October 2024

Name of the Institutes: भाकृअनु-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई / ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai

Name of Activity: Swachhata Shram Daan in Community Pond / सामुदायिक तालाब में स्वच्छता श्रम दान



भाकृअनु-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई (आईसीएआर-सीआईएफई) ने हरबादेवी मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से 24 अक्टूबर, 2024 को मड गांव (मालाड पश्चिम, मुंबई) में हरबादेवी सामुदायिक तालाब में "स्वच्छता श्रम दान" का आयोजन किया। यह कार्यक्रम "स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता" अभियान का हिस्सा था और इसमें आईसीएआर-सीआईएफई कर्मचारियों, छात्रों और स्थानीय निवासियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, विशेष रूप से सामुदायिक तालाब के संबंध में। आईसीएआर-सीआईएफई स्टाफ ने समुदाय को तालाब में कपड़े और बर्तन धोने के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया और पानी की गुणवत्ता के संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। आईसीएआर-सीआईएफई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. शुक्ला और डॉ. मनोज ब्राह्मणे ने तालाब के स्वास्थ्य को बढ़ाने पर अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने तालाब के आसपास प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की वकालत की और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र और आर्थिक अवसरों दोनों में सुधार के लिए जल-पर्यटन गतिविधियों का प्रस्ताव रखा। डॉ. एस.पी. शुक्ला, डॉ. मनोज ब्राह्मणे, डॉ. संगीता मंडल, डॉ. शिवाजी अरगडे और डॉ. पवन कुमार द्वारा समन्वित कार्यक्रम में स्थानीय पर्यावरणीय संसाधनों को बनाए रखने के लिए सामुदायिक भागीदारी और सहयोग के मूल्य पर प्रकाश डाला गया। इस पहल ने पर्यावरणीय प्रबंधन और हरबादेवी सामुदायिक तालाब के स्थायी प्रबंधन में समुदाय की रुचि को बढ़ावा दिया।

The ICAR-Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), in collaboration with the Harbadevi Mandir Trust, organized a "Swachhata Shram Daan" cleanliness drive at the Harbadevi community pond in Madh village, Malad West, on October 24, 2024. This event was part of the "Swabhav Swachhata Sanskaar Swachhata" Campaign and witnessed active participation from ICAR-CIFE staff, students, and local residents.

The campaign aimed to raise awareness about the significance of cleanliness, particularly concerning

the community pond. ICAR-CIFE staff sensitized the community on the harmful effects of washing clothes and utensils in the pond and stressed the importance of preserving water quality.

Dr. S. P. Shukla and Dr. Manoj Brahmane (Principal Scientists) at ICAR-CIFE, shared insights on enhancing the health of the pond. He advocated for reducing plastic use in the pond's surroundings and proposed aqua-tourism activities to improve both the local ecosystem and economic opportunities./ The event, coordinated by Dr. S. P. Shukla, Dr. Manoj Brahmane, Dr. Sangeeta Mandal, Dr. Shivaji Argade, and Dr. Pawan Kumar, highlighted the value of community engagement and collaboration for sustaining local environmental resources. This initiative fostered community interest in environmental stewardship and sustainable management of the Harbadevi community pond.